>

Title: Need to provide accommodation and transportation facilities at concessional rates to former MPs visiting Delhi for carrying out various urgent work.

श्री रमाशंकर राजभर (सलेमपुर): सभापति महोदय, शाहनवाज साहब जैसे 15 प्रतिशत सांसद यदि छोड़ दिये जाएं तो 85 प्रतिशत सासंदों को चश्मा लगने लगे, बाल झड़ने लगे, दांत गिरने लगे और चीनी कम होने लगे तब वे यहां आते हैं और पांच वर्ष तक इस सदन में देश की जनता को न्याय देने के लिए कानून बनाते हैं। सभापति महोदय, पांच वर्ष कानून बनाने के बाद संपूर्ण जीवन, स्वाभाविक है कि जब वे पूर्व सांसद होते हैं तो उनका चौथापन होता है। चौथेपन में जब, इसी सदन में वर्तमान सांसद हैं तो अपने नहीं अगर दो-चार गेस्ट भी आते हैं, उनको भी लिख दें तो दिल्ली में उनको कमरा मिल जाए। पूरी दिल्ली में आता है। क्यों आता है? एनैक्सी में दवा करानी है। पार्लियामेंट आना है। लोक सभा में गाड़ी से आना है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि अगर थोड़ी भी संवेदना, इस चौथेपन में गुजरबसर कर रहे पूर्व सांसदों की है, आज पूर्व सांसदों की स्थिति क्या है? आपके घर में, आपके घर में जा कर रात बिता रहे हैं। अगर वे इस पार्लियामेंट से गाड़ी भी मांगें कि हमें ट्रेज़री बेंच के नेताओं से मिलने जाना है, दवा कराने जाना है, या एनेक्सी में पेंशन लेने जाना है, तो उनको गाड़ी भी मुहैया नहीं हो रही है। सभापति महोदय, इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। मैं सरकार से मांग करता हूँ कि यहां कोई ऐसा एक घर बनाएं जो पूर्व सांसदों को रियायती दर पर एक घर उनको मिले। उनको कम से कम दवा कराने के लिए और एनैक्सी आने के लिए गाड़ी मिले। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपने महत्वपूर्ण बात उठाई है। सरकार बैठी हुई है। संज्ञान लेगी।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति महोदय, पूर्व सांसदों के साथ असम्मानजनक व्यवहार है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : रघुवंश जी, यह बात रिकार्ड में आ गई है। जो भी सदस्य एसोसिएट करना चाहते हैं तो वे लिख कर भेज दें। अगर खड़े हो कर बोलेंगे तो वह रिकार्ड में नहीं आएगा।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री शैलेन्द्र कुमार, श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण, श्री कमल किशोर कमांडो, श्री अनुराग सिंह ठाकुर, श्री अशोक अर्गल, श्री पन्ना लाल पुनिया, श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन एवं श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय स्वयं को श्री रमाशंकर राजभर जी के विषय के साथ संबद्ध करते हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : यह बात हवा में जाएगी। रिकार्ड में जाने से क्या होगा? यह बात सदन में बोलने से होगी। लिखने से क्या होगा?...(व्यवधान)

सभापति महोदय : रघुवंश जी, आप भी अधिष्ठाता मण्डल में हैं। मैं चाहता हूँ कि जिन माननीय सदस्यों को, क्योंकि कल सदन का आखिरी दिन है, बहुत से महत्वूर्ण विषय जो लॉटरी में नहीं भी हैं और स्पीकर महोदया ने अनुमति दी है इसलिए हम सभी को अवसर देना चाहते है। जिनके नाम ज़ीरो ऑवर में पुकारे जाएं कृपया वे अपनी बात कहें। लेकिन आप अपनी बात कह कर फिर तुंरत सदन से न चले जाएं। कृपया जब ज़ीरो ऑवर समाप्त हो तभी जाएं। सब को अपनी बात कहने का मौका मिलेगा।